दक्षिण-दक्षिण और त्रिकोणीय सहयोग: साझेदारी की एक नई भावना

यूपीएससी प्रासंगिकता

- **जीएस-2 (अंतर्राष्ट्रीय संबंध, वैश्विक शासन) और जीएस-3 (एसडीजी, विकास मॉडल)**

IAS-PCS Ir

चर्चा में क्यों

- हर साल **12 सितंबर** को संयुक्त राष्ट्र **दक्षिण-दक्षिण और त्रिकोणीय सहयोग दिवस** (SSTC) के रूप में मनाया जाता है, जो 1978 की **ब्यूनस आयर्स कार्य योजना** (BAPA) की स्मृति में मनाया जाता है। सतत विकास के 2030 एजेंडे को हासिल करने के लिए अब केवल एक तिहाई समय बचा है, ऐसे में SSTC का समावेशी और सतत वैश्विक प्रगति में योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण हो गया है।

पृष्ठभूमि

1. **दक्षिण-दक्षिण सहयोग (SSC):**
   - विकासशील देश (वैश्विक दक्षिण) एक-दूसरे के साथ ज्ञान और प्रौद्योगिकी साझा करके और क्षमताओं का निर्माण करके मिलकर काम करते हैं।
2. **त्रिकोणीय सहयोग (TC):**
   - इसमें SSC परियोजनाओं का समर्थन करने वाले विकसित देश या अंतर्राष्ट्रीय संगठन शामिल होते हैं।

Result Mitra
@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806

3. **BAPA (1978):**
   - ब्यूनस आयर्स कार्य योजना SSC के लिए पहला वैश्विक ढाँचा थी, जो एकजुटता, पारस्परिक सम्मान और साझा शिक्षा पर आधारित थी।
4. **हालिया रुझान:**
   - SSTC अब पारंपरिक सहायता का पूरक बन रहा है।
   - यह किफायती, संदर्भ-विशिष्ट और आसानी से दोहराए जाने योग्य समाधान प्रदान करता है, खासकर वैश्विक विकास वित्तपोषण में गिरावट के समय।

भारत की भूमिका और दर्शन

1. **मार्गदर्शक दर्शन:**
   - भारत का विकास दृष्टिकोण **"वसुधैव कुटुम्बकम"** – "संपूर्ण विश्व एक परिवार है" – पर आधारित है।

2. नेतृत्व मंच:

- "Voice of Global South" शिखर सम्मेलनों की मेजबानी।
- G-20 में अफ्रीकी संघ की स्थायी सदस्यता का समर्थन।
- विदेश मंत्रालय में विकास साझेदारी प्रशासन की स्थापना।

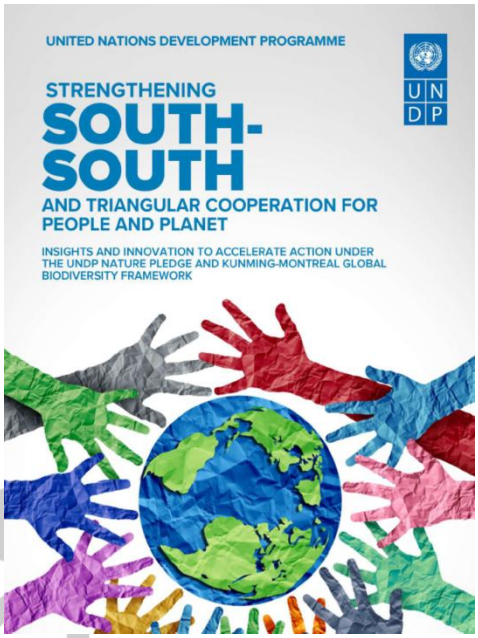

3. क्षमता निर्माण:

- **भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग (ITEC):** 160+ देशों में पेशेवरों को प्रशिक्षण।
- **भारत-संयुक्त राष्ट्र विकास साझेदारी कोष (2017):** 56 विकासशील देशों में 75+ परियोजनाओं को वित्तपोषित।

4. प्रौद्योगिकी और नवाचार:

- **आधार** और **UPI** जैसे साझा डिजिटल अवसंरचना मॉडल।
- जलवायु-अनुकूल खेती और सतत वित्तपोषण मॉडल को बढ़ावा।

5. विश्व खाद्य कार्यक्रम (WFP) के साथ साझेदारी:

- **अन्नपूर्ति (अनाज एटीएम)**
- **महिलाओं के नेतृत्व वाला टेक-होम राशन कार्यक्रम**
- **चावल संवर्धन परियोजना**

ये पहल घरेलू खाद्य सुरक्षा मजबूत करती हैं और अन्य वैश्विक दक्षिण देशों के लिए आदर्श बन गई हैं।

IAS PCS Institute
Result Mitra
रिजल्ट का साथी
www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806

साझेदारियों को पुनर्परिभाषित करना

1. त्रिकोणीय सहयोग:

- विकासशील देशों को पारंपरिक और उभरते हुए दाताओं से जोड़ता है।
- सफल प्रथाओं के प्रसार और संसाधनों को जुटाने में मदद करता है।

2. सरकारों से परे:

- नागरिक समाज, निजी क्षेत्र और स्थानीय समुदायों को शामिल करता है।
- जन-केंद्रित और समग्र विकास मॉडल तैयार करता है।

3. वित्तीय प्रभाव:

- SSC के लिए संयुक्त राष्ट्र कोष: 47 सरकारों द्वारा समर्थित, 155 देशों को लाभ।
- WFP 2024: ग्लोबल साउथ और निजी क्षेत्र से **10.9 मिलियन डॉलर** जुटाए गए।

उदाहरण:

- **नेपाल:** चावल संवर्धन
- **लाओ पीडीआर:** आपूर्ति-श्रृंखला अनुकूलन (भारत द्वारा समर्थित)

SSTC का वैश्विक महत्व

1. **मितव्ययी और अनुकरणीय:** समाधान लागत-प्रभावी और अन्य समान देशों में आसानी से अपनाने योग्य।

2. **माँग-आधारित:** परियोजनाएँ स्थानीय प्राथमिकताओं पर आधारित, न कि दाता द्वारा थोपी गई शर्तों पर।

3. **समानता और समावेशिता:** देशों के बीच आपसी सम्मान और समान भागीदारी को बढ़ावा।

4. **सतत विकास लक्ष्य प्रासंगिकता:** 2030 एजेंडा का समर्थन, विशेषकर भूख, स्वास्थ्य, जलवायु लचीलापन और डिजिटल समावेशन में।

आगे की चुनौतियाँ

1. **वित्तीय बाधाएँ:** वैश्विक सहायता घट रही है और वित्तपोषण अक्सर अप्रत्याशित।
2. **संस्थागत कमज़ोरी:** कई देशों में मजबूत संस्थानों का अभाव।
3. **भू-राजनीतिक तनाव:** प्रमुख शक्तियों के बीच प्रतिस्पर्धा वैश्विक दक्षिण की प्राथमिकताओं पर प्रभाव डाल सकती है।
4. **विखंडन:** समन्वित वैश्विक ढाँचे का अभाव परियोजनाओं में दोहराव पैदा कर सकता है।
5. **मापन और जवाबदेही:** दीर्घकालिक प्रभाव का मूल्यांकन और पारदर्शिता बनाए रखना चुनौतीपूर्ण।

आगे की राह

1. **संस्थानों को मज़बूत बनाएँ:** स्थानीय शासन और नीति ढाँचा विकसित करें।
2. **नवोन्मेषी वित्तपोषण:** मिश्रित वित्त, दक्षिण-दक्षिण निधि और निजी क्षेत्र की भागीदारी।
3. **ज्ञान मंच:** अनुभव साझा करने और सहकर्मी सीखने के लिए नेटवर्क का विस्तार।
4. **समावेशी दृष्टिकोण:** युवाओं, महिलाओं और जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं को शामिल करना।
5. **त्रिकोणीय स्केलिंग:** सफल वैश्विक दक्षिण समाधानों को विकसित देशों और बहुपक्षीय एजेंसियों के साथ आगे बढ़ाना।

निष्कर्ष

दुनिया को साझेदारी की नई भावना की आवश्यकता है – समान, समावेशी और नवोन्मेषी। **SSTC** केवल कूटनीतिक विचार नहीं, बल्कि एक परिवर्तनकारी उपकरण है जो:

- अरबों लोगों के लिए जीवन रेखा,
- समता का मार्ग, और
- सतत विकास के लिए एक सेतु प्रदान करता है।

भारत, **वसुधैव कुटुम्बकम** दर्शन और नवोन्मेष, खाद्य सुरक्षा और डिजिटल नेतृत्व के साथ, SSTC के भविष्य को आकार देने में अद्वितीय स्थिति में है, जिससे सतत विकास के 2030 एजेंडा को साझा वास्तविकता बनाया जा सके।

यूपीएससी प्रारंभिक परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न: दक्षिण-दक्षिण और त्रिकोणीय सहयोग (SSTC) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. SSTC केवल विकसित देशों द्वारा विकासशील देशों को प्रदान की जाने वाली सहायता को संदर्भित करता है।
2. त्रिकोणीय सहयोग में विकासशील देशों के बीच सहयोग और विकसित देशों या बहुपक्षीय संगठनों का समर्थन शामिल है।
3. SSTC के लिए संयुक्त राष्ट्र दिवस 12 सितंबर को ब्यूनस आयर्स कार्य योजना (BAPA) के उपलक्ष्य में मनाया जाता है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?

A) केवल 1

B) **केवल 2 और 3**

C) केवल 1 और 3

D) 1, 2 और 3

उत्तर: B) केवल 2 और 3

स्पष्टीकरण:

- SSTC मुख्य रूप से **विकासशील देशों के बीच सहयोग** है, केवल विकसित देशों से सहायता नहीं।
- **त्रिकोणीय सहयोग** में विकसित देश या बहुपक्षीय संगठन SSC परियोजनाओं का समर्थन करते हैं।
- संयुक्त राष्ट्र 12 सितंबर को BAPA (1978) के उपलक्ष्य में SSTC दिवस के रूप में मनाता है।

यूपीएससी मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न (150 शब्द)

प्रश्न: "दक्षिण-दक्षिण और त्रिकोणीय सहयोग (एसएसटीसी) अंतर्राष्ट्रीय विकास में एक आदर्श बदलाव का प्रतिनिधित्व करता है।" सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने में एसएसटीसी के महत्व पर चर्चा कीजिए, भारत की भूमिका, चुनौतियों और आगे के मार्ग पर प्रकाश डालिए।

IAS PCS Institute
Result Mitra
@resultmitra www.resultmitra.com 9235313184, 9235440806